CIJ-01

December - Examination 2025

फलित ज्योतिष में प्रमाण–पत्र

(Certificate in Phalit-Jyotish)

फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान

Paper : CIJ-01

[*Time:* ***3*** *Hours*] [*Maximum Marks:* ***100***]

निर्देश :– यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' 10×2=20

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) ऋतुओं के संबंध में आख्यान किस ब्राह्मण में मिलते हैं?
   (ii) जन्म नक्षत्र किसे कहते हैं?
   (iii) लोहे के पाये में आने वाले नक्षत्रों के नाम लिखिए।
   (iv) मृगशिरा नक्षत्र के स्वामी ग्रह का नाम लिखिए।
   (v) एक भ चक्र कितने अंशों का होता है?
   (vi) वायु तत्त्वीय राशियों का नाम लिखिए।
   (vii) सूर्य एवं चन्द्रमा के मध्य कितने अंशों का अन्तर होने पर करण बनता है?
   (viii) व्यक्ति के स्वभाव में पराक्रम, साहस आदि किस ग्रह की स्थिति से देखे जाते हैं?
   (ix) जन्मकुण्डली में आजीविका का भाव कौनसा है?
   (x) अरिष्ट कितने प्रकार के होते हैं?

खण्ड–'ब' 4×10=40

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. पाये के आधार पर नक्षत्र का विभाजन कीजिए।
3. बारह राशियों में आने वाले नामाक्षर एवं नक्षत्रों की सारणी बनाइए।
4. तत्त्व के आधार पर राशियों का वर्गीकरण कीजिए।
5. चन्द्रमा के पंचम भाव में प्रभाव को समझाइए।
6. कुण्डली में डॉक्टर बनने के योग (चिकित्सक) का वर्णन कीजिए।
7. भावानुसार अंग एवं सम्बन्धियों के विचार का संक्षिप्त वर्णन करें।
8. अमितायु योग को समझाइए।
9. योगिनी दशा तालिका का वर्णन कीजिए।

खण्ड–'स' 2×20=40

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. वृश्चिक राशि के कारकत्व का वर्णन कीजिए।
11. पंचांग में योग का विशद वर्णन कीजिए।
12. सूर्य ग्रह के खगोलीय परिचय, ज्योतिषीय परिचय एवं कारकत्व का वर्णन कीजिए।
13. जन्मकुण्डली के लग्न एवं बारह भावों का वर्णन कीजिए।